alloy required for springs, cutlery, razor blades, surgery knives etc., different types of instruments and the spares and instruments required for aeroplanes, motor cars and factories is being met by the HSL Plants and the types of metals *viz.* iron, steel and alloy imported from abroad ?

THE MINISTER OF STEEL, MINES AND METALS (DR. CHANNA REDDY) : (a) At 1 million ingot tonnes stage, Rourkela Steel Plant was designed to produce heavy plates, hot rolled strips/sheets narrow plates ; cold rolled strips/sheets ; tinplates and pipes. After the expansion of the Plant to 1·8 million ingot tonnes is complete, the Plant will also produce galvanised sheets and electrical steel sheets. Provisions for the manufacture of girders, flats, angles, rails, rods, etc., have been made at Durgapur and Bhilai Steel Plants. The product-mix of these Plants had been settled at the stage of planning the Plants after taking into consideration the demand estimates for the various categories of steel and the best way of manufacturing them. The product-mix of the expansion was decided after taking into consideration again the demand estimates for the various categories of steel and the inbuilt capacity of the various productive units at Rourkela Steel Plant at its initial capacity. The product-mix of a plant settled at the stage of planning or its expansion cannot normally be changed without altering the basic concept of the plant itself.

(b) and (c). Informatoin is being collected and will be placed on the Table of the House.

कल्याण रेलवे स्टेशन को नया रूप दिया जाना

1705. **श्री बसवन्त** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य रेलवे के कल्याण रेलवे स्टेशन को जिसके लिये 1965-66 के रेलवे बजट में 11 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी कब तक नया रूप दिये जाने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : सम्भवत: माननीय सदस्य का आशय "उपनगरीय गाड़ियों के लिए एक अतिरिक्त प्लेटफार्म की व्यवस्था और फेर-बदल के अन्य छोटे-मोटे कामों" से है जिनका उल्लेख 1965-66 के बजट में किया गया था और जिसकी अनुमानित लागत 12.82 लाख रुपये है। 1965-66 में इस काम के लिए केवल 5 लाख रुपये नियत हुए थे। काम हो रहा है और आशा है कि यह 1968 के अन्त तक पूरा हो जायेगा।

किरकी और शिवाजी नगर (मध्य रेलवे) के बीच दुर्घटना

1706. **श्री बसवन्त** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 23 अक्टूबर 1967 को मध्य रेलवे के बम्बई डिवीजन के शिवाजीनगर और किरकी स्टेशनों के बीच एक दुर्घटना हुई थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि दुर्घटना कारखाने में काम करने वाले लोगों में फैले असंतोष और पास रखने वाले लोगों द्वारा गाड़ियों के असामान्य विलम्ब से चलने संबंधी शिकायतों के प्रति उपेक्षा की नीति अपनाये जाने के कारण हुई है ; और

(ग) यहां हां तो इस दिशा में रेलवे प्रशासन द्वारा क्या प्रतिकारात्मक कार्यवाई की गई है ?

रेलवे मन्त्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). कोई दुर्घटना नहीं हुई परन्तु 23-10-1967 को टी-2 पूना-तलेगांव स्थानीय गाड़ी को शिवाजीनगर स्टेशन पर, सिगनल की खराबी के कारण, लगभग 30 मिनट रोकना पड़ा। जाहिर है इस से गाड़ी के कुछ यात्री क्रोधित हो उठे और उन्होंने लगभग 100 मिनट तक और गाड़ी को चलने नहीं दिया। बाद में यात्रियों ने पटरी पर रुकावटें खड़ी कर दीं और 310 अप पूना-बम्बई जनता एक्सप्रेस गाड़ी पर तथा स्टेशन की इमारत पर पथराव किया जिसके कारण 3 व्यक्ति घायल हो गये और सवारी-डिब्बों तथा स्टेशन की इमारत को कुछ क्षति पहुंची।